

## PAPER-III DOGRI

### Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) \_\_\_\_\_

(Name) \_\_\_\_\_

2. (Signature) \_\_\_\_\_

(Name) \_\_\_\_\_

**J 3312**

Time : 2 ½ hours]

OMR Sheet No. : .....  
(To be filled by the Candidate)

Roll No. 

--	--	--	--	--	--	--	--

  
(In figures as per admission card)

Roll No. \_\_\_\_\_  
(In words)

[Maximum Marks : 150

Number of Pages in this Booklet : 12

Number of Questions in this Booklet : 75

### Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. This paper consists of seventy five multiple-choice type of questions.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
  - (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
  - (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
  - (iii) After this verification is over, the OMR Sheet Number should be entered on this Test Booklet.
4. Each item has four alternative responses marked (A), (B), (C) and (D). You have to darken the circle as indicated below on the correct response against each item.  
**Example :** (A) (B) (C) (D)  
where (C) is the correct response.
5. Your responses to the items are to be indicated in the **OMR Sheet given inside the Booklet only**. If you mark at any place other than in the circle in the OMR Sheet, it will not be evaluated.
6. Read instructions given inside carefully.
7. Rough Work is to be done in the end of this booklet.
8. If you write your Name, Roll Number, Phone Number or put any mark on any part of the OMR Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, or use abusive language or employ any other unfair means, you will render yourself liable to disqualification.
9. You have to return the test question booklet and Original OMR Sheet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall. You are, however, allowed to carry duplicate copy of OMR Sheet on conclusion of examination.
10. Use only Blue/Black Ball point pen.
11. Use of any calculator or log table etc., is prohibited.
12. There is no negative marks for incorrect answers.

### परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
2. इस प्रश्न-पत्र में पचहत्तर बहुविकल्पीय प्रश्न हैं ।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
  - (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी कागज की सील को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
  - (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चेक कर लें कि ये पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात् किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।**
  - (iii) इस जाँच के बाद OMR पत्रक की क्रम संख्या इस प्रश्न-पुस्तिका पर अंकित कर दें ।
4. प्रत्येक प्रश्न के लिए चार उत्तर विकल्प (A), (B), (C) तथा (D) दिये गये हैं । आपको सही उत्तर के वृत्त को पेन से भरकर काला करना है जैसा कि नीचे दिखाया गया है ।  
**उदाहरण :** (A) (B) (C) (D)  
जबकि (C) सही उत्तर है ।
5. प्रश्नों के उत्तर केवल प्रश्न पुस्तिका के अन्दर दिये गये OMR पत्रक पर ही अंकित करने हैं । यदि आप OMR पत्रक पर दिये गये वृत्त के अलावा किसी अन्य स्थान पर उत्तर चिह्नांकित करते हैं, तो उसका मूल्यांकन नहीं होगा ।
6. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।
7. कच्चा काम (Rough Work) इस पुस्तिका के अन्तिम पृष्ठ पर करें ।
8. यदि आप OMR पत्रक पर नियत स्थान के अलावा अपना नाम, रोल नम्बर, फोन नम्बर या कोई भी ऐसा चिह्न जिससे आपकी पहचान हो सके, अंकित करते हैं अथवा अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं, या कोई अन्य अनुचित साधन का प्रयोग करते हैं, तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित किये जा सकते हैं ।
9. आपको परीक्षा समाप्त होने पर प्रश्न-पुस्तिका एवं मूल OMR पत्रक निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और परीक्षा समाप्ति के बाद उसे अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें । हालांकि आप परीक्षा समाप्ति पर OMR पत्रक की डुप्लीकेट प्रति अपने साथ ले जा सकते हैं ।
10. केवल नीले/काले बाल प्वाइंट पेन का ही इस्तेमाल करें ।
11. किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है ।
12. गलत उत्तरों के लिए कोई अंक काटे नहीं जाएँगे ।

**डोगरी**  
**प्रश्नपत्र – III**

**नोट :** इस प्रश्नपत्र च (75) पच्छत्तर मते विकल्पे आहले सुआल न । हर सुआला (2) दो नंबर न । सारे सुआल जरूरी न ।

1. भाशा विज्ञान दे मुताबक भाशा दा स्थूल रूप :

- (अ) राष्ट्र भाशा होंदा ऐ ।  
(ब) मूर्त होंदा ऐ ।  
(स) वाक् होंदा ऐ ।  
(द) इस च पुनरुक्ति होंदी ऐ ।  
(A) (अ) ते (स) ठीक न ।  
(B) (ब), (स) ते (द) ठीक न ।  
(C) (अ), (ब) ते (द) ठीक न ।  
(D) सिर्फ (अ) ठीक ऐ ।

2. पैहली चंदी च दित्ती दिये प्रविश्टिये दा दूई चंदी च दित्ती दिये प्रविश्टिये कन्ने स्हेई मिलान करो :

**चंदी-1**                      **चंदी-2**

- |        |                |
|--------|----------------|
| (अ) न् | (i) संघर्शी    |
| (ब) र् | (ii) पार्श्विक |
| (स) ल् | (iii) नासिक्य  |
| (द) स् | (iv) लुंठित    |

**कोड :**

- |     |       |       |       |
|-----|-------|-------|-------|
| (अ) | (ब)   | (स)   | (द)   |
| (A) | (ii)  | (iv)  | (i)   |
| (B) | (i)   | (ii)  | (iii) |
| (C) | (iii) | (iv)  | (ii)  |
| (D) | (iv)  | (iii) | (ii)  |

3. कोश-निर्माण च क्रम दे स्हाबे प्रक्रिया ऐ :

- (A) उच्चारण, प्रविश्टी, अर्थ, व्याकरणिक, जानकारी  
(B) व्याकरणिक जानकारी, प्रविश्टी, उच्चारण, अर्थ  
(C) प्रविश्टी, अर्थ, उच्चारण, व्याकरणिक जानकारी  
(D) प्रविश्टी, उच्चारण, व्याकरणिक जानकारी, अर्थ

4. डोगरी डिक्शनरी :

- (अ) इकभाशी कोश ऐ ।  
(ब) बहुभाशी कोश ऐ ।  
(स) पर्याय कोश ऐ ।  
(द) दा मुख संपादक प्रो. रामनाथ शास्त्री होर न ।  
(A) (अ) ते (द) ठीक न ।  
(B) (अ), (स) ते (द) ठीक न ।  
(C) (ब) ते (द) ठीक न ।  
(D) (अ) ते (स) ठीक न ।

5. 'वाक्यपदीयम्' दे रचेता न :

- (A) पाणिनि  
(B) कात्यायन  
(C) हेमचंद्र  
(D) भर्तृहरि

6. 'सपुत्र' शब्द च 'स' :

- (अ) ध्वनि ऐ ।  
(ब) रूपग्राम ऐ ।  
(स) मुक्त रूपग्राम ऐ ।  
(द) आबद्ध रूपग्राम ऐ ।  
(A) (ब) ते (द) ठीक न ।  
(B) (अ) ते (स) ठीक न ।  
(C) सिर्फ (अ) ठीक ऐ ।  
(D) (ब) ते (स) ठीक न ।

7. पैहली चंदी च दित्ती दिये प्रविश्टिये दा दूई चंदी च दित्ती दिये प्रविश्टिये कन्ने स्हेई मिलान करो :

**चंदी-1**                      **चंदी-2**

- |           |                       |
|-----------|-----------------------|
| (अ) जां   | (i) योग-सूचक          |
| (ब) ते    | (ii) विरोध-सूचक       |
| (स) पर    | (iii) कार्य-कारण सूचक |
| (द) की जे | (iv) विकल्प-सूचक      |
- |     |       |       |      |
|-----|-------|-------|------|
| (अ) | (ब)   | (स)   | (द)  |
| (A) | (ii)  | (iv)  | (i)  |
| (B) | (iv)  | (i)   | (ii) |
| (C) | (iii) | (ii)  | (iv) |
| (D) | (i)   | (iii) | (ii) |

8. उपसर्ग, मध्यसर्ग ते परसर्ग दे क्रम दे स्हाबें हेत दित्ते दे शब्दें दा स्हेई क्रम ऐ :

- (A) बेगौरा, थाहर-कथाहर, शर्मौकल  
(B) शर्मौकल, बेगौरा, थाहर-कथाहर  
(C) थाहर-कथाहर, शर्मौकल, बेगौरा  
(D) बेगौरा, शर्मौकल, थाहर-कथाहर

9. डोगरी दे पुरशवाचक सर्वनामं च :

- (अ) सरल, तिर्यक् ते संबोधन कारकें आस्तै रूपायन होंदा ऐ ।  
(ब) सरल ते तिर्यक् कारकें आस्तै रूपायन होंदा ऐ ।  
(स) लिंग आस्तै रूपायन होंदा ऐ ।  
(द) वचन आस्तै रूपायन होंदा ऐ ।  
(A) (अ), (स) ते (द) ठीक न ।  
(B) (ब), (स) ते (द) ठीक न ।  
(C) (अ) ते (द) ठीक न ।  
(D) (ब) ते (द) ठीक न ।

10. 'साढे कशा मंदर नेई जनोआ' वाक्य :

- (A) कर्तृवाच्य च ऐ ।  
(B) भाव वाच्य च ऐ ।  
(C) कर्म वाच्य च ऐ ।  
(D) मिश्रत वाच्य च ऐ ।

11. डोगरी क्रिया-संरचना च रूपायन होंदा ऐ :

- (अ) पुरश आस्तै ।  
(ब) कारक आस्तै ।  
(स) लिंग ते वचन आस्तै ।  
(द) काल ते अर्थ आस्तै ।  
(A) (अ), (स) ते (द) ठीक न ।  
(B) (अ), (ब) ते (द) ठीक न ।  
(C) (ब), (स) ते (द) ठीक न ।  
(D) (अ), (ब), (स) ते (द) सब्भे ठीक न ।

12. पैहली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी-1

चंदी-2

- (अ) खंदा ऐ (i) प्रथम पुरश, इकवचनी रूप  
(ब) खन्नां (ii) मध्यम पुरश, इकवचनी रूप  
(स) खंदा एं (iii) अन्य पुरश, इकवचनी रूप  
(द) खन्ने आं (iv) प्रथम पुरश, बहुवचनी रूप

कोड :

- (अ) (ब) (स) (द)  
(A) (i) (iv) (iii) (ii)  
(B) (iv) (ii) (i) (iii)  
(C) (iii) (i) (ii) (iv)  
(D) (ii) (iii) (iv) (i)

13. सधारण, पैहली प्रेरणार्थ ते दूई प्रेरणार्थक क्रियारूपें दे क्रम दे स्हाबें इ'नें पदें दा स्हेई क्रम ऐ :

- (A) खलाना, खाना, खलोआना  
(B) खलोआना, खलाना, खाना  
(C) खाना, खलोआना, खलाना  
(D) खाना, खलाना, खलोआना

14. 'कताब मेजे दे उप्पर ऐ ।' वाक्य च 'दे उप्पर' :

- (अ) यौगिक क्रिया विशेशन ऐ ।  
(ब) मूल क्रिया विशेशन ऐ ।  
(स) संबंध-सूचक अव्यय ऐ ।  
(द) संबंध कारकीय चि'न्न दे कन्नै बरतोए दा ऐ ।  
(A) (स) ते (द) ठीक न ।  
(B) (अ) ते (द) ठीक न ।  
(C) (ब) ते (द) ठीक न ।  
(D) सिर्फ (स) ठीक ऐ ।

15. डोगरा अकखर लिपि च प्रकाशत पुस्तक ऐ :

- (A) श्रीमद्भगवद्गीता  
(B) व्यवहार गीता  
(C) गीता-सार  
(D) गीत-गंगा

16. 'रत्तु दा चानन' :

- (अ) डोगरी दा इक गज़ल-संग्रह ऐ ।  
(ब) चमुखें ते दोहें दा इक संकलन ऐ ।  
(स) इसदे लेखक रामलाल शर्मा होर न ।  
(द) एह साहित्य-अकादमी आसेआ पुरस्कृत कृति ऐ ।  
(A) (ब), (स) ते (द) ठीक न ।  
(B) (अ), (स) ते (द) ठीक न ।  
(C) (ब), (द) ते (अ) ठीक न ।  
(D) सिर्फ (स), (ब) ते (द) ठीक न ।

17. पैहली चंदी च दिती गेदियें प्रविशियें दा दूई चंदी दियें प्रविशियें कन्ने सहेई मिलान करो :

चंदी-1

चंदी-2

- (अ) तलखियां (i) परमानंद 'अलमस्त'  
(ब) पैहलियां बांगां (ii) यश शर्मा  
(स) बूंद तरेलु दी (iii) कुंवर वियोगी  
(द) इक बूंदेगी तरसे पैछी (iv) रामनाथ शास्त्री

कोड :

- (अ) (ब) (स) (द)  
(A) (i) (iii) (iv) (ii)  
(B) (ii) (i) (iii) (iv)  
(C) (iv) (iii) (ii) (i)  
(D) (iii) (iv) (i) (ii)

18. प्रकाशन काल दे सहाबें महिला-कवियें दियें इ'ने कविता-पुस्तकें दा सहेई क्रम ऐ :

- (A) त्रिचौली, डुग्गर धरती, घर आ मित्तरा, मेरी कविता मेरे गीत ।  
(B) डुग्गर धरती, मेरी कविता मेरे गीत, घर आ मित्तरा, त्रिचौली ।  
(C) मेरी कविता मेरे गीत, त्रिचौली, डुग्गर धरती, घर आ मित्तरा ।  
(D) घर आ मित्तरा, त्रिचौली, डुग्गर धरती, मेरी कविता मेरे गीत ।

19. 'मोतिया खलारै खुशबू' :

- (अ) इक डोगरी गीत-संग्रह ऐ ।  
(ब) इक गीत-कवितां ते गज़लें दा संकलन ऐ ।  
(स) इसदे लेखक नरसिंह देव जमवाल न ।  
(द) एह साहित्य-अकादमी पासेआ इनामत कविता पुस्तक ऐ ।  
(A) सिर्फ (अ) ते (द) ठीक न ।  
(B) सिर्फ (अ) ते (स) ठीक न ।  
(C) सिर्फ (ब) ते (स) ठीक न ।  
(D) सिर्फ (स) ते (द) ठीक न ।

20. इ'दें च हास्य-व्यंग प्रधान कविता संग्रह ऐ :

- (A) सोध समुन्दरें दी ।  
(B) खुहै दे डिडुडूं ।  
(C) अस ते बनजारे लोक ।  
(D) तंदां ।

21. "आओ मुड़ी अपने देसे दे अंदर :

- सजाचै फिरी लोकराजै दा मंदर,  
जिन्ने बी घोरी ते पापी न अंदर,  
खोही लैचै इ'दे शा टकुए ते संदर ।"  
(अ) इ'ने पंगतियें दे लेखक न मोहन लाल सपोलिया ।  
(ब) इ'दें च भगती-भावना दी प्रमुखता ऐ ।  
(स) इ'दें च प्रगतिवादी सुर दी प्रधानता ऐ ।  
(द) एह सुक्क-म-सुक्की नाहरेबाजी ऐ ।  
(A) सिर्फ (अ) ते (स) ठीक जवाब न ।  
(B) सिर्फ (अ) ते (ब) ठीक जवाब न ।  
(C) सिर्फ (ब) ते (स) ठीक जवाब न ।  
(D) सिर्फ (द) गै ठीक जवाब ऐ ।

22. पैहली चंदी च दिती दियें प्रविशियें दा दूई चंदी दियें प्रविशियें कन्ने सहेई मिलान करो :

चंदी-1

चंदी-2

- (अ) परतां (i) रोमाल सिंह भडवाल  
(ब) घड़ी (ii) गोगा राम साथी  
(स) हिरखी धागे (iii) ओ.पी. सारथी  
(द) मेरी जीवन मेरी कविता (iv) मोहनसिंह

कोड :

- (अ) (ब) (स) (द)  
(A) (iii) (iv) (ii) (i)  
(B) (i) (iii) (iv) (ii)  
(C) (ii) (ii) (iii) (iv)  
(D) (iv) (i) (iii) (ii)

23. प्रकाशन-काल दे स्हाबें जितेन्द्र उधमपुरी हुंदियें इ'ने कविता-पुस्तकें दा स्हेई क्रम ऐ :
- (A) चाननी, बनजारा, चेतें दे सूरजमुखी, इक शैहर यादें दा ।
- (B) इक शैहर यादें दा, चाननी, बनजारा, चेतें दे सूरजमुखी ।
- (C) चेतें दे सूरजमुखी, चाननी, बनजारा, इक शैहर यादें दा ।
- (D) बनजारा, चाननी, इक शैहर यादें दा, चेतें दे सूरजमुखी ।
24. वेद राही :
- (अ) 'आले' ते 'काले हत्थ' कहानी संग्रहेहें दे रचेता न
- (ब) 'गर्भजून' ते 'त्रुट्टी दी डोर' उपन्यासें दे रचेता न ।
- (स) 'क्रॉसफायरिंग' ते 'कींगरे' कहानी संग्रहेहें दे रचेता न ।
- (द) 'दरेड' ते 'धारां ते धूडां' उपन्यासें दे रचेता न ।
- (A) (अ) ते (ब) ठीक न ।
- (B) (अ) ते (स) ठीक न ।
- (C) (अ), (ब) ते (द) ठीक न ।
- (D) (ब), (स) ते (द) ठीक न ।
25. मूरतो :
- (A) नायका प्रधान उपन्यास ऐ ।
- (B) प्रतीकात्मक उपन्यास ऐ ।
- (C) अनूदित उपन्यास ऐ ।
- (D) बाल उपन्यास ऐ ।
26. मदन मोहन शर्मा ते रामनाथ शास्त्री :
- (अ) 'नायक' ते 'किंगरे' कहानी संग्रहेहें दे रचेता न ।
- (ब) 'नायक' ते 'तारें दी लोड' कहानी संग्रहेहें दे रचेता न ।
- (स) 'नायक' ते 'परछामें' कहानी संग्रहेहें दे रचेता न ।
- (द) 'नायक' ते 'बदनामी दी छांड' कहानी संग्रहेहें दे रचेता न ।
- (A) (अ) ते (ब) ठीक न ।
- (B) (अ), (ब) ते (द) ठीक न ।
- (C) सिर्फ (ब) ठीक ऐ ।
- (D) सिर्फ (द) ठीक ऐ ।

27. पैहली चंदी च दिती दियें प्रविशियें दा दूई चंदी च दिती दियें प्रविशियें कन्ने स्हेई मिलान करो :
- चंदी-1** **चंदी-2**
- (अ) 'पागल दा ताजमैहल' ते 'सुक्का बरुद'
- (ब) 'परछामें' ते 'कींगरे'
- (स) 'चाननी दा सेक' ते 'युगवाणी'
- (द) 'किले दा कैददी' ते 'उच्चियां धारां'
- कोड :**
- |     |      |      |       |       |
|-----|------|------|-------|-------|
|     | (अ)  | (ब)  | (स)   | (द)   |
| (A) | (ii) | (iv) | (i)   | (iii) |
| (B) | (i)  | (ii) | (iii) | (iv)  |
| (C) | (ii) | (i)  | (iii) | (iv)  |
| (D) | (iv) | (i)  | (ii)  | (iii) |
28. 'पत्थर ते रंग' :
- (अ) ओ.पी. शर्मा 'सारथी' हुंदा उपन्यास ऐ ।
- (ब) उपन्यास दी शैली प्रतीकात्मक ऐ ।
- (स) आंचलिक उपन्यास ऐ ।
- (द) नायका प्रधान उपन्यास ऐ ।
- (A) (अ) ते (ब) ठीक न ।
- (B) (अ), (ब) ते (द) ठीक न ।
- (C) (अ) ते (द) ठीक न ।
- (D) (ब), (स) ते (द) ठीक न ।
29. क्रम दे स्हाबें साहित्य अकादेमी, दिल्ली पासेआ पुरस्कृत डोगरी कहानी संग्रहेहें दा स्हेई क्रम ऐ :
- (A) सुन्ने दी चिड़ी, मील पत्थर, बदनामी दी छांड, आले
- (B) सुन्ने दी चिड़ी, आले, बदनामी दी छांड, मील पत्थर
- (C) बदनामी दी छांड, आले, सुन्ने दी चिड़ी, मील पत्थर
- (D) आले, मील पत्थर, बदनामी दी छांड, सुन्ने दी चिड़ी

30. प्रो. चम्पा शर्मा हुंदे कहानी संग्रह दा शीर्षक ऐ :

- (A) गडीरना
- (B) जे जींदे जी सुरग दिक्खना
- (C) साक सुन्ना प्रीत पित्तल
- (D) क्या एह सच्च नेई ऐ ?

31. 'शाह जी' :

- (अ) 'दिन-दिन जोत सोआई' पुस्तक च संकलत ऐ ।
- (ब) 'कंडियारी दे फुल्ल' पुस्तक च संकलत ऐ ।
- (स) रेखाचित्र ऐ ।
- (द) जीवनी ऐ ।
- (A) (अ), (ब) ते (स) ठीक न ।
- (B) (ब), (स) ते (द) ठीक न ।
- (C) (अ), (स) ते (द) ठीक न ।
- (D) (अ), (ब) ते (द) ठीक न ।

32. पैहली चंदी च दिक्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दिक्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी-1

चंदी-2

- (अ) डुगगर दे लोक नायक (i) प्रो. चम्पा शर्मा
- (ब) साढे साहित्यकार (ii) डॉ. ओम गोस्वामी
- (स) गूढे धुंधले चेहरे (iii) प्रो. रामनाथ शास्त्री
- (द) परख ते पडताल (iv) प्रो. वीणा गुप्ता

कोड :

- |     |       |       |      |       |
|-----|-------|-------|------|-------|
| (अ) | (ब)   | (स)   | (द)  |       |
| (A) | (ii)  | (iii) | (i)  | (iv)  |
| (B) | (iv)  | (ii)  | (i)  | (iii) |
| (C) | (iii) | (iv)  | (i)  | (ii)  |
| (D) | (ii)  | (i)   | (iv) | (iii) |

33. जीवनी, यात्रा लेख, संस्मरण ते रेखाचित्र गद्य क्रम दे स्हाबें स्हेई क्रम ऐ :

- (A) गरसाल कोठी, कांड, चेतें किश खट्टे किश मिट्टे, लंदन च चार दिन
- (B) लंदन च चार दिन, कांड, चेतें किश खट्टे किश मिट्टे, गरसाल कोठी
- (C) गरसाल कोठी, कांड, लंदन च चार दिन, चेतें किश खट्टे किश मिट्टे
- (D) कांड, लंदन च चार दिन, चेतें किश खट्टे किश मिट्टे, गरसाल कोठी

34. 'म'जमेवाज' ऐ :

- (अ) समाजी ते व्यक्तिगत असंगतियें पर कटाक्ष
- (ब) व्यंगात्मक निबंध
- (स) प्रो. लक्ष्मी नारायण हुंदा निबंध
- (द) हास्य-व्यंग रैहत निबंध
- (A) (अ), (ब) ते (द) ठीक न ।
- (B) (अ), (ब) ते (स) ठीक न ।
- (C) (ब), (स) ते (द) ठीक न ।
- (D) (अ), (स) ते (द) ठीक न ।

35. "निबंध उस गद्य रचना गी आखदे न जित्थै इक सीमित अकार दे तैहत कुसै खास विशे दा वर्णन जां नर्वाह इक खास अपने सैहज प्रवाह, सजीवता ते विशे अनुसार भाशा-प्रयोग राहें कीता गेदा होऐ ।" परिभाशा दिक्ती दी ऐ :

- (A) प्रो. लक्ष्मी नारायण होरें ।
- (B) बाबू गुलाब राय होरें ।
- (C) विश्वानाथ खजूरिया होरें ।
- (D) चंचल शर्मा होरें ।

36. जीवनी दा पैहला प्रयास :

- (अ) अनंत राम शास्त्री होरें कीता हा ।
- (ब) मुलकराज सराफ होरें कीता हा ।
- (स) 1958 ब'रे च होआ हा ।
- (द) 1968 ब'रे च होआ हा ।
- (A) (ब) ते (स) ठीक न ।
- (B) (अ) ते (स) ठीक न ।
- (C) (अ) ते (द) ठीक न ।
- (D) (ब) ते (द) ठीक न ।

37. पैहली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी-1

चंदी-2

- (अ) कश्मीर दर्पण (i) भीति चित्रकला पर  
अधारत  
(ब) सम्हाल उस (ii) व्यंगात्मक  
कल्लै दी  
(स) बूरे दे लड्डू (iii) कश्मीरी संस्कृति पर  
अधारत  
(द) मेरी मित्ती दे (iv) लोकवार्ता  
खतोले

कोड :

- |     |       |       |       |       |
|-----|-------|-------|-------|-------|
|     | (अ)   | (ब)   | (स)   | (द)   |
| (A) | (i)   | (iii) | (iv)  | (ii)  |
| (B) | (iii) | (i)   | (ii)  | (iv)  |
| (C) | (iv)  | (ii)  | (i)   | (iii) |
| (D) | (ii)  | (i)   | (iii) | (iv)  |

38. प्रो. चम्पा शर्मा हुंदी गद्य पुस्तकें दा प्रकाशन क्रम दे स्हाबें स्हेई क्रम ऐ :

- (A) डुग्गर दा लोक जीवन, इक झांक, गूढे  
धुंधले चेहरे, क्या एह सच्च नेई  
(B) क्या एह सच्च नेई, इक झांक, गूढे धुंधले  
चेहरे, डुग्गर दा लोक जीवन  
(C) इक झांक, डुग्गर दा लोक जीवन, गूढे  
धुंधले चेहरे, क्या एह सच्च नेई  
(D) गूढे धुंधले चेहरे, इक झांक, क्या एह  
सच्च नेई, डुग्गर दा लोक जीवन

39. 'पिंजरा' :

- (अ) रंगमंची नाटक ऐ ।  
(ब) साहित्य अकादेमी पासेआ पुरस्कृत रचना  
ऐ ।  
(स) जितेन्द्र शर्मा हुंदी रचना ऐ ।  
(द) समस्या प्रधान नाटक ऐ ।  
(A) (अ), (ब) ते (स) ठीक न ।  
(B) (अ) ते (ब) ठीक न ।  
(C) (अ) ते (द) ठीक न ।  
(D) (ब), (स) ते (द) ठीक न ।

40. 'ऐतवार दी सैर' :

- (A) रंगमंची नाटक ऐ ।  
(B) रंगमंची एकांकी ऐ ।  
(C) बाल एकांकी ऐ ।  
(D) नुक्कड़ नाटक ऐ ।

41. 'सरकार' ते 'नील कंठ' :

- (अ) नरसिंह देव जम्वाल ते विश्वनाथ  
खजूरियां हुंदियां रचनां न  
(ब) प्रो. मदन मोहन शर्मा ते मोहन सिंह  
हुंदियां रचनां न  
(स) दीनूभाई पंत ते मोहन सिंह हुंदियां रचनां  
न  
(द) नरसिंह देव जम्वाल ते जितेन्द्र शर्मा  
हुंदियां रचनां न  
(A) (अ) ते (ब) ठीक न ।  
(B) (अ) ते (द) ठीक न ।  
(C) सिर्फ (अ) ठीक ऐ ।  
(D) सिर्फ (द) ठीक ऐ ।

42. पैहली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी-1

चंदी-2

- (अ) संझाली ते (i) प्रो. मदन मोहन शर्मा  
अयोध्या  
(ब) बंजर ते इक (ii) नरसिंह देव जम्वाल  
परछायां  
बदली दा  
(स) सत्त जमा (iii) दीनूभाई पंत  
सत्त ते इक  
लड़ाई होर  
(द) राजा (iv) मोहन सिंह  
मंडलीक ते  
रामलीला

कोड :

- |     |       |       |       |      |
|-----|-------|-------|-------|------|
|     | (अ)   | (ब)   | (स)   | (द)  |
| (A) | (iii) | (iv)  | (i)   | (ii) |
| (B) | (iii) | (i)   | (iv)  | (ii) |
| (C) | (ii)  | (iii) | (iv)  | (i)  |
| (D) | (iv)  | (i)   | (iii) | (ii) |

43. इक परछायां बदली दा :
- (अ) चरित्र प्रधान रंगमंची नाटक ऐ  
 (ब) प्रो. मदन मोहन शर्मा हुंदी रचना ऐ  
 (स) सन् 1980 ई. च प्रकाशित होएआ हा  
 (द) नाटक दी नायका मक्खू ऐ
- (A) (अ), (ब) ते (स) ठीक न ।  
 (B) (अ), (ब) ते (द) ठीक न ।  
 (C) (ब), (स) ते (द) ठीक न ।  
 (D) (अ), (स) ते (द) ठीक न ।
44. प्रकाशन बारे दे स्हाबें इ'नें नाटकें दा स्हेई क्रम ऐ :
- (A) इक लड़ाई होर, जनौर, सरपंच, धारें दे अत्थरुं  
 (B) सरपंच, धारें दे अत्थरुं, जनौर, इक लड़ाई होर  
 (C) सरपंच, जनौर, इक लड़ाई होर, धारें दे अत्थरुं  
 (D) जनौर, धारें दे अत्थरुं, सरपंच, इक लड़ाई होर
45. देवरत्न शास्त्री हुंदा एकांकी संग्रह ऐ :
- (A) पंज रंग (B) सत्त रंग  
 (C) नव रंग (D) चौसर
46. 'औचित्य' :
- (अ) भारती काव्य-शास्त्र दा इक मानता-प्राप्त काव्य-मापदंड ऐ  
 (ब) औचित्य-विचार-चर्चा च इस सिद्धान्त दी स्पष्ट व्याख्या मिलदी ऐ ।  
 (स) इसदे संस्थापक आचार्य क्षेमेन्द्र न ।  
 (द) क्षेमेन्द्र काशी-निवासी हे ।
- (A) (अ), (ब) ते (द) ठीक न ।  
 (B) (ब), (स) ते (द) ठीक न ।  
 (C) (अ), (ब) ते (स) ठीक न ।  
 (D) (अ), (स) ते (द) ठीक न ।

47. पैहली चंदी च दिती गेदियें प्रविशियें दा दूई चंदी दियें प्रविशियें कन्ने स्हेई मिलान करो :
- | चंदी-1                | चंदी-2                            |
|-----------------------|-----------------------------------|
| (अ) आचार्य आनन्दवर्धन | (i) रीति-सिद्धान्त प्रवर्तक       |
| (ब) आचार्य कुन्तक     | (ii) रस-सिद्धान्त प्रवर्तक        |
| (स) आचार्य भरतमुनि    | (iii) ध्वनि-सिद्धान्त प्रवर्तक    |
| (द) आचार्य वामन       | (iv) वक्रोक्ति-सिद्धान्त प्रवर्तक |
- (अ) (ब) (स) (द)  
 (A) (i) (ii) (iii) (iv)  
 (B) (iii) (iv) (ii) (i)  
 (C) (iv) (i) (iii) (ii)  
 (D) (ii) (iii) (iv) (i)
48. 'विभावानुभाव व्यभिचारीभाव संयोगाद् रस निष्पत्ति' मताबक रस दी उत्पत्ति च भावें दे प्रयोग दा स्हेई क्रम ऐ :
- (A) विभाव, अनुभाव ते व्यभिचारी भाव ।  
 (B) अनुभाव, विभाव ते व्यभिचारी भाव ।  
 (C) व्यभिचारी भाव, अनुभाव ते विभाव ।  
 (D) विभाव, व्यभिचारीभाव ते अनुभाव ।
49. साहित्य दा मर्म पछानने लेई पच्छमी काव्य-शास्त्रियें जि'नें सिद्धान्तें दी स्थापना कीती, ओह न :
- (अ) आधुनिकतावाद, प्रतीकवाद ते आदर्शवाद  
 (ब) अलंकारवाद, ध्वनिवाद ते अभिव्यंजनावाद  
 (स) यथार्थवाद, आदर्शवाद ते प्रतीकवाद ।  
 (द) प्रतीकवाद, रसवाद ते रीति-वाद ।
- (A) (अ) ते (ब) ठीक न ।  
 (B) (ब) ते (द) ठीक न ।  
 (C) (अ) ते (ल) ठीक न ।  
 (D) (स) ते (द) ठीक न ।
50. इन्दे च शिवनाथ हुन्दी आलोचना पुस्तक ऐ :
- (A) पसन्द अपनी-अपनी  
 (B) डोगरी साहित्य चर्चा  
 (C) डोगरी काव्य चर्चा  
 (D) डोगरी साहित्य परचोल

51. 'डोगरी साहित्य-आलोचना' :
- (अ) डोगरी कविता, कथा, नाटक, गद्य आदि लेखें दी साहित्यक-आलोचना दी पुस्तक ऐ ।
- (ब) इसदा प्रकाशन कल्चरल अकैडमी ने करो आये दा ऐ ।
- (स) इसदा प्रकाशन जम्मू युनिवर्सिटी दे डोगरी रिसर्च सैण्टर पासेआ कीता गेदा ऐ ।
- (द) इसदे सम्पादक नीलाम्बर देव शर्मा न ।
- (A) (अ) ते (ब) ठीक न ।
- (B) (अ) ते (स) ठीक न ।
- (C) (ब) ते (द) ठीक न ।
- (D) (ब) ते (स) ठीक न ।

52. पैहली चंदी च दिती गेदियें प्रविश्टियें दी दूई चंदी दियें प्रविश्टियें कन्ने स्हेई मिलान करो :

चंदी-1

चंदी-2

- (अ) शृंगार रस (i) 'मियां डीडो'
- (ब) वीर रस (ii) 'बावे'
- (स) करुण रस (iii) 'दो कींगरे'
- (द) हास्य रस (iv) 'दाता रणपत दी कारक'

कोड :

- |     |       |       |       |       |
|-----|-------|-------|-------|-------|
|     | (अ)   | (ब)   | (स)   | (द)   |
| (A) | (i)   | (iii) | (ii)  | (iv)  |
| (B) | (iii) | (i)   | (iv)  | (ii)  |
| (C) | (iv)  | (ii)  | (iii) | (i)   |
| (D) | (ii)  | (i)   | (iv)  | (iii) |

53. उत्साह, क्रोध, भैऽ, निर्वेद स्थायी-भावें दे स्हाबें इन्दे रसें दा स्हेई क्रम ऐ :

- (A) रौद्र, वीर, शान्त, भयानक ।
- (B) वीर, रौद्र, भयानक, शान्त ।
- (C) शान्त, वीर, रौद्र, भयानक ।
- (D) भयानक, वीर, शान्त, रौद्र ।

54. लोक साहित्य :

- (अ) मन परचाई दा साधन ऐ ।
- (ब) छापेखाने दी स्याही दा मोहताज ऐ ।
- (स) लोक शिक्षा दा साधन ऐ ।
- (द) लोक मानस दे तजरबें दी धरोहर ऐ ।
- (A) (अ), (ब) ते (स) ठीक न ।
- (B) (अ), (स) ते (द) ठीक न ।
- (C) (ब), (स) ते (द) ठीक न ।
- (D) (अ), (ब) ते (द) ठीक न ।

55. "बंबा रेल दा बनेआ, बो डाडी मौज दा बनेआ" बोल न :

- (A) घोड़ी दे । (B) सिठनी दे ।
- (C) छंद दे । (D) सुहाग दे ।

56. कारक :

- (अ) लोक गाथाएँ दी इक महत्त्वपूर्ण विधा ऐ ।
- (ब) जोगी लोक गांदे न ।
- (स) गारडी ते दरेस लोक गांदे न ।
- (द) देव स्थान पर गाई जंदी ऐ ।
- (A) (अ), (ब) ते (द) ठीक न ।
- (B) (अ), (ब) ते (स) ठीक न ।
- (C) सिर्फ (ब) गै ठीक ऐ ।
- (D) (अ), (ब), (स) ते (द) सब्भै ठीक न ।

57. पैहली चंदी च दिती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दिती दियें प्रविश्टियें कन्ने स्हेई मिलान करो :

चंदी-1

चंदी-2

- |            |                   |
|------------|-------------------|
| (अ) सुहाग  | (i) श्रमगीत       |
| (ब) गुजरी  | (ii) लोकगाथा      |
| (स) गरलोडी | (iii) संस्कार गीत |
| (द) कारक   | (iv) भगती गीत     |

कोड :

- |     |       |       |      |       |
|-----|-------|-------|------|-------|
|     | (अ)   | (ब)   | (स)  | (द)   |
| (A) | (iv)  | (iii) | (i)  | (ii)  |
| (B) | (iii) | (iv)  | (i)  | (ii)  |
| (C) | (ii)  | (iv)  | (i)  | (iii) |
| (D) | (i)   | (iii) | (ii) | (iv)  |

58. बार, कारक ते प्रेमगाथा क्रम दे स्हाबें स्हेई क्रम ऐ :

- (A) बाजसिंह जरनैल, राजा होंस, दाता रणु
- (B) दाता रणु, बाजसिंह जरनैल, राजा होंस
- (C) राजा होंस, दाता रणु, बाजसिंह जरनैल
- (D) बाजसिंह जरनैल, दाता रणु, राजा होंस

59. “कुसदे बेहड़ै जाना बधावे रोंगलेआ ।  
 ओदे बधावे दा आदर करेओ, खातर करेओ ।”  
 (अ) जागतै दे जन्म पर गाए जाने आहले गीतै  
 दे बोल न ।  
 (ब) एह बोल मांगलिक ते शुभ कम्मै दे रम्यते  
 मौकै गाए जंदे न ।  
 (स) देव स्थानें पर गाए जाने आहले गीतै दे  
 बोल न ।  
 (द) सस्कार गीतै दियां सतरां न ।  
 (A) (अ), (स) ते (द) ठीक न ।  
 (B) (ब), (स) ते (द) ठीक न ।  
 (C) (अ), (ब) ते (द) ठीक न ।  
 (D) (अ), (ब) ते (स) ठीक न ।
60. ‘ढोलरु’ ऐ :  
 (A) श्रम गीत (B) ऋतु गीत  
 (C) प्रेम गीत (D) नाच गीत
61. कविता दे अनुवाद च :  
 (अ) मूल रचना दे भाव-पक्ख गी केंद्र च  
 रक्खेआ जाना चाहिदा ।  
 (ब) छंद-विधान दी पालना इसदी पैहली लोड ऐ ।  
 (स) मूल कवि दे सृजन खिनें गी अनुवादक  
 आसेआ आत्मसात कीता जाना चाहिदा ऐ ।  
 (द) बिम्ब, प्रतीक ते अलंकारें गी हूबहू  
 रक्खना लाजमी ऐ ।  
 (A) (अ) ते (स) ठीक न ।  
 (B) (अ) ते (ब) ठीक न ।  
 (C) (ब) ते (द) ठीक न ।  
 (D) (ब) ते (स) ठीक न ।
62. पैहली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी  
 च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :  
 चंदी-1 चंदी-2  
 (अ) मिर्जा हादी रुस्वा (i) बरसगंढे दी धुप्प  
 (ब) राजेंद्र सिंह बेदी (ii) सुन्ना ते स्वार्थ  
 (स) केदारनाथ सिंह (iii) इक चादर मैली जनेही  
 (द) शंभु मित्र (iv) उमराओ जान अदा  
 कोड :  
 (अ) (ब) (स) (द)  
 (A) (ii) (iv) (iii) (i)  
 (B) (i) (ii) (iv) (iii)  
 (C) (iv) (iii) (ii) (i)  
 (D) (iv) (iii) (i) (ii)

63. अ’न्ना युग, गोदान, मैकबैथ, लोरे पुस्तक क्रम दे  
 स्हाबें इं’दे अनुवादकें दा स्हेई क्रम ऐ :  
 (A) रामनाथ शास्त्री, बी.पी. साटे, मदन  
 मोहन, सत्यपाल श्रीवत्स  
 (B) सत्यपाल श्रीवत्स, बी.पी. साटे, रामनाथ  
 शास्त्री, मदन मोहन  
 (C) रामनाथ शास्त्री, बी.पी. साटे, सत्यपाल  
 श्रीवत्स, मदन मोहन  
 (D) मदन मोहन, रामनाथ शास्त्री, बी.पी.  
 साटे, सत्यपाल श्रीवत्स
64. अनुवाद दियां कसौटियां न :  
 (अ) मूल दे भाव दा दूई भाशा च ठीक-ठीक  
 वर्णन होना ।  
 (ब) मूल दी चेचगी पर ध्यान नेई दिंदे होई  
 लक्ष्य भाशा दी चेचगी पर ध्यान देना ।  
 (स) लक्ष्य भाशा दे सुआतम दी रक्षा करदे  
 होई मूल रचना दी शैली ते आत्मा दी  
 रक्षा करना ।  
 (द) मूल दी चेचगी गी ध्याना च रक्खदे होई  
 अनुवाद गी सरल ते स्वाभाविक रूप  
 देना ।  
 (A) (अ), (ब) ते (द) ठीक न ।  
 (B) (अ), (स) ते (द) ठीक न ।  
 (C) (ब), (स) ते (द) ठीक न ।  
 (D) (अ), (ब) ते (स) ठीक न ।
65. “भावें दा अनुवाद कीता जाई सकदा ऐ पर शब्दें  
 दी अपनी ध्वनि होने कारण उ’नेंगी लक्ष्य भाशा  
 परिवर्तित करना कठन ऐ” मत ऐ :  
 (A) डॉ. जानसन दा ।  
 (B) प्रो. गौरी शंकर दा ।  
 (C) दांते दा ।  
 (D) सिडनी दा ।
66. गद्य कृतियें दा अनुवाद च :  
 (अ) भाशा दा गुहाड़ रौहना चाहिदा ।  
 (ब) शैली च प्रवाह बने दा रौहना चाहिदा ।  
 (स) विचारें दी गहनता ते सूखमता पकड़ च  
 औनी चाहिदी ।  
 (द) हर सूरत च शब्दानुवाद गै होना चाहिदा ।  
 (A) (अ), (स) ते (द) ठीक न ।  
 (B) (अ), (ब) ते (द) ठीक न ।  
 (C) (अ), (ब) ते (स) ठीक न ।  
 (D) सिर्फ (अ) ते (स) ठीक न ।

67. पैहली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूर्ई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी-1

चंदी-2

- (अ) नमें युगै दे वारस (i) सुशीला गुप्ता  
(ब) कथा सरित सागर, भाग-3 (ii) चम्पा शर्मा  
(स) मेरियां यूनियर्सिटियां (iii) शशि पठानिया  
(द) दो टुप्पे धान (iv) वीणा गुप्ता

कोड :

- (अ) (ब) (स) (द)  
(A) (iv) (iii) (ii) (i)  
(B) (iii) (ii) (iv) (i)  
(C) (i) (ii) (iii) (iv)  
(D) (ii) (iv) (i) (iii)

68. जसमां, बाकी इतिहास, मल्लिका, लोअर डैप्स इ'नें अनूदित नाटकें दे क्रम दे स्हाबें इ'दे मूल लेखकें दा स्हेई क्रम ऐ :

- (A) बादल सरकार, शांता गांधी, मोहन राकेश, मैक्सिम गोर्की  
(B) शांता गांधी, बादल सरकार, मैक्सिम गोर्की, मोहन राकेश  
(C) मोहन राकेश, मैक्सिम गोर्की, बादल सरकार, शांता गांधी  
(D) शांता गांधी, बादल सरकार, मोहन राकेश, मैक्सिम गोर्की

69. रेडियो :

- (अ) संचार व्यवस्था राहें कम्म करदा ऐ ।  
(ब) विद्युत तरंगें राहें कम्म करदा ऐ ।  
(स) एह तरंगां रोशनी दी तरंगें आंगर होंदियां न ।  
(द) एह तरंगां रोशनी दी तरंगें आंगर नेई होंदियां ।  
(A) (अ), (ब) ते (द) ठीक न ।  
(B) (ब), (स) ते (द) ठीक न ।  
(C) (अ), (ब) ते (स) ठीक न ।  
(D) (अ), (स) ते (द) ठीक न ।

70. कम्प्यूटर दा दिमाग गलाया जंदा ऐ :

- (A) वी.डी.यू. गी । (B) सी.पी.यू. गी ।  
(C) सी.यू. गी । (D) ए.एल.सी. गी ।

71. जन संचार दे परम्परागत माध्यम न :

- (अ) लोक-संगीत (ब) पत्र-पत्रिका  
(स) लोक-नाटक (द) लोक कथां  
(A) (अ), (ब) ते (स) ठीक न ।  
(B) (ब), (स) ते (द) ठीक न ।  
(C) (अ), (स) ते (द) ठीक न ।  
(D) (अ), (ब) ते (द) ठीक न ।

72. पैहली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूर्ई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी-1

चंदी-2

- (अ) धर्मचंद प्रशांत (i) शंखधुन  
(ब) दुर्गा दास (ii) अम्बर  
(स) मोहन लाल सपोलिया (iii) रेखा  
(द) ओम गोस्वामी (iv) डोगरा मित्र

कोड :

- (अ) (ब) (स) (द)  
(A) (ii) (i) (iv) (iii)  
(B) (iii) (iv) (i) (ii)  
(C) (iv) (ii) (i) (iii)  
(D) (i) (iii) (ii) (iv)

73. टैलीविजन, रेडियो ते सूचना इदारें दे स्हाबें स्हेई क्रम ऐ :

- (A) त्रिकुटा, लोऽ ते साढी धरती साढे लोक  
(B) साढी धरती साढे लोक, त्रिकुटा ते लोऽ  
(C) साढी धरती साढे लोक, लोऽ ते त्रिकुटा  
(D) लोऽ, त्रिकुटा ते साढी धरती साढे लोक

74. कम्प्यूटर ते इंटरनेट जनसंचार दे :

- (अ) परम्परागत माध्यम न ।  
(ब) आधुनिक माध्यम न ।  
(स) इलैक्ट्रानिक माध्यम न ।  
(द) प्रकाशन माध्यम न ।  
(A) (अ), (स) ते (द) ठीक न ।  
(B) (ब), (स) ते (द) ठीक न ।  
(C) (अ), (ब) ते (द) ठीक न ।  
(D) सिर्फ (ब) ते (स) ठीक न ।

75. जन संचार दे परम्परागत संचार साधनें च लोकचित्र कला दा नमूना ऐ :

- (A) राढे (B) छिंज  
(C) कुड्ड (D) पुगना

**Space For Rough Work**